अभ्यास पत्रक

पाठ – संगतकार

नाम :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

प्रश्न 1: काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (1×5 = 5 अंक)

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लांघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को संभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

1. 'अंतरे की जटिल तानों' से तात्पर्य है –
   (क) मधुर रचना (ख) कठिन संगीत की लयें (ग) कविता के छंद (घ) संगीत का अंत
2. 'अनहद' शब्द का सामान्य अर्थ है –
   (क) वाद्य से उत्पन्न ध्वनि (ख) शून्यता (ग) असीम संगीत (घ) तालबद्ध गान
3. 'स्थायी को संभाले रहना' का क्या संकेत है?
   (क) मुख्य स्वर की रक्षा करना (ख) गायक की जगह लेना
   (ग) माइक सँभालना (घ) दर्शकों को सन्तुष्ट करना
4. 'पीछे छूटा हुआ सामान' किसका प्रतीक है?
   (क) गायक की वेशभूषा (ख) बीते गीतों की यादें
   (ग) भटके सुरों का भार (घ) उपकरण
5. संगतकार की भूमिका कैसी होती है?
   (क) हावी होने वाली (ख) मार्गदर्शक और सहायक
   (ग) उपेक्षित और कमजोर (घ) विरोधात्मक

प्रश्न 2: रिक्त स्थानों की पूर्ति करें – (1×2 = 2 अंक)

1. उसकी आवाज में जो एक _____ साफ सुनाई देती है।
2. संगतकार, मुख्य गायक की _____ को संभाले रखता है।

प्रश्न 3: लघु उत्तरीय प्रश्न (30 शब्दों में उत्तर दें) (4 में से कोई 3 करें) – (3×2 = 6 अंक)

1. कवि संगतकार की आवाज को कैसे वर्णित करता है?

उत्तर - .....
.....
.....
.....

2. संगतकार मुख्य गायक को किस परिस्थिति में सँभालता है?

उत्तर - .....
.....
.....
.....

egyanarchive

3. कवि संगतकार की 'हिचक' को असफलता क्यों नहीं मानते?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

4. कवि संगतकार की उपेक्षित स्थिति की तुलना किन उदाहरणों से करता है?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

प्रश्न 4: निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (1×4 = 4 अंक)

(क) *मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती*
वह आवाज सुंदर, कमजोर, कांपती हुई थी

(ख) *कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ, यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है*
और यह कि फिर से गाया जा सकता है गाया जा चुका राग

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 5: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (1×8 = 8 अंक) *उत्तर सीमा – 80–100 शब्द*

प्रश्न: 'संगतकार' कविता में कवि ने मुख्य गायक की तुलना में संगतकार के सहयोग और मानवता को जिस प्रकार प्रस्तुत किया है, वह समाज के अनेक अन्य क्षेत्रों पर भी लागू होता है। कविता के माध्यम से इस विचार पर अपने शब्दों में प्रकाश डालिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

eGyanarchive

उत्तर कुंजी

प्रश्न 1 – MCQ उत्तर:

1. (ख) कठिन संगीत की लयें
2. (ग) असीम संगीत
3. (क) मुख्य स्वर की रक्षा करना
4. (ग) भटके सुरों का भार
5. (ख) मार्गदर्शक और सहायक

प्रश्न 2 – रिक्त स्थान उत्तर:

1. हिचक
2. स्थायी

प्रश्न 3 – लघु उत्तरीय उत्तर:

1. कवि उसे सुंदर, हल्की, मधुर और सम्मानजनक बताते हैं, जो मुख्य स्वर में अपनी गूँज मिलाती है।
2. जब गायक अंतरे में भटक जाता है या ऊँचे सुरों से टूटने लगता है, तब संगतकार उसे मूल सुरों तक लौटाता है।
3. कवि कहते हैं कि यह उसकी मानवता है – वह सम्मान के कारण अपने स्वर को ऊँचा नहीं करता।
4. समाज, इतिहास और कला के क्षेत्र में कई बार नायक की सफलता में पीछे रहने वाले लोग अहम भूमिका निभाते हैं।

प्रश्न 4 – व्याख्या संकेत:

(क)

इस पंक्ति में संगतकार की नाजुक पर मजबूत उपस्थिति का चित्रण है। उसकी हल्की आवाज मुख्य गायक की भारी आवाज का संतुलन बनाती है, वह शक्ति और सौम्यता का सुंदर मेल है।

(ख)

यहाँ संगतकार का आत्मीय सहयोग सामने आता है। वह केवल सुर नहीं मिलाता, बल्कि मनोबल भी देता है – यह साथ मनुष्य के लिए संबल बनता है।

प्रश्न 5 – दीर्घ उत्तर संकेत:

- संगतकार की भूमिका नायक के पीछे काम करने वाले हर व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती है।
- वह गुमनाम रहकर भी सबसे कठिन क्षणों में सहारा देता है।
- यह कविता बताती है कि किसी भी सफलता के पीछे कई अदृश्य सहयोगी होते हैं।
- संगतकार जैसी भूमिकाएँ समाज में हर जगह हैं – परिवार, संगठन, टीम आदि में।
- यह कविता हमें उन्हें भी सम्मान देने का संदेश देती है।

egyanarchive